खण्ड – ब

विस्तृत/निबंध प्रश्न

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

1. *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है ।*

10 × 2 = 20

(क) विद्वान क्यों नहीं डरते हैं ?

(ख) ब्रह्म का क्या स्वरूप है ?

(ग) 'गीता' में अर्जुन ने कृष्ण के बारे में क्या कहा है ?

(घ) धैर्य किसे कहा गया है ?

(ङ) दान किसे कहा गया है ?

(च) भैरवानन्द कौन थे ?

(छ) साधु और असाधु में अन्तर स्पष्ट करें ।

(ज) अधिक लोभ करने के कारण चौथे ब्राह्मण पुत्र को क्या हुआ ?

(झ) ऋग्वेद में कैसे मन्त्रों का संकलन है ?

(ञ) 'असतो मा सद्गमय' का अर्थ लिखें ।

(ट) पंचतन्त्र में कितने भाग हैं ? सभी का वर्णन करें ।

(ठ) भैरवानन्द ने ब्राह्मण पुत्रों से क्या कहा ?

(ड) धनहीन किसके बीच में जीवित …ीं रह सकते ?

(ढ) जीवन की उन्नति के लिए अमूल्य ग्रन्थ कौन-कौन हैं ?

(ण) 'स्वेच्छया' में किस-किस वर्ण की सन्धि है ? संधि का नाम लिखें ।

(त) 'लोभा…ः चक्रधरः' पंचतंत्र के किस भाग से लि… गया है ?

(थ) भगवद्गीता में किसका उपदेश है ?

(द) 'ईशस्तुतिः' पाठ में बृहदारण्यक …षद् से लिए गए मंत्र में क्या याचना की … है ?

(ध) एक ही परमात्मा संसार में …से व्याप्त है ?

(न) योगी भैरवानन्द से ब्राह्मण युवकों की भेंट कहाँ और कब हुई ?

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2. ***निम्नलि…त प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है .***

4 × 5 = 20

(क) यक्ष के प्रश्नों का बिना उ…र दिये किन-किन पाण्डवों ने जल पी… और उन्हें क्या हुआ ? वर्णन करें ।

(ख) 'लोभावि… चक्रधरः' पाठ से क्या शिक्षा मिलती है ? व्याख्या करें ।

(ग) '…स्माकं विद्यालयः' पर एक अनुच्छेद … पंक्तियों में संस्कृत में लिखें ।

9th Sanskrit subjective

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

(क) विद्वान क्यों नहीं डरते हैं ?

विद्वान वह व्यक्ति होता है जो शोधकर्ता होता है या किसी अकादमिक अनुशासन में विशेषज्ञता रखता है। विद्वान एक अकादमिक भी हो सकता है, जो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर, शिक्षक या शोधकर्ता के रूप में काम करता है। एक अकादमिक के पास आमतौर पर एक उन्नत डिग्री या टर्मिनल डिग्री होती है, जैसे कि मास्टर डिग्री या डॉक्टरेट (पीएचडी)।

(ख) ब्रह्म का क्या स्वरूप है ?

ब्रह्म का स्वरूप निर्गुण, निराकार और असीम है। यह शाश्वत, अपरिवर्तनीय और सभी कारणों से परे है। ब्रह्म को वेदों और उपनिषदों में "सर्वव्यापी, नित्य, अविनाशी और अजन्मा" बताया गया है। यह किसी विशेष रूप, नाम या गुण तक सीमित नहीं है, और यह संपूर्ण जगत की वास्तविकता है।

(ग) 'गीता' में अर्जुन ने कृष्ण के बारे में क्या कहा है ?

गीता में, अर्जुन कृष्ण को "केशव", "माधव", "अच्युत" और "हरि" जैसे विभिन्न नामों से संबोधित करते हैं। अर्जुन कृष्ण को अपना गुरु, मित्र और मार्गदर्शक मानते हैं। वे कृष्ण के उपदेशों को सुनकर मोह और अज्ञान से मुक्त होकर अपने क्षत्रिय धर्म का पालन करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

(घ) धैर्य किसे कहा गया है ?

कठिन परिस्थितियों में भी शांत और स्थिर रहना, बिना क्रोध या परेशानी दिखाए, समस्याओं का सामना करना। यह एक गुण है जो व्यक्ति को नकारात्मक भावनाओं से बचने और समस्याओं का समाधान खोजने में मदद करता है. धैर्य का अर्थ है, सहनशीलता, आत्म-नियंत्रण और दृढ़ता

(ङ) दान किसे कहा गया है ?

दान, जिसका शाब्दिक अर्थ है "देने की क्रिया", किसी जरूरतमंद को कुछ देना है, विशेष रूप से बिना किसी अपेक्षा के. यह एक धार्मिक और सामाजिक कर्तव्य माना जाता है, और इसे कई धर्मों में महत्व दिया गया है.

(च) भैरवानन्द कौन थे ?

नाथ सम्प्रदाय के नौ नाथों में से एक माने जाते हैं। उन्हें भैरव-नाथ का दूसरा नाम भी कहा जाता है,वे आदिनाथ के शरीर में उनकी प्राणवायु के रूप में निवास करते थे, और बाद में नौ अलग-अलग स्थानों पर मनुष्य के रूप में प्रकट हुए.

(छ) साधु और असाधु में अन्तर स्पष्ट करें ।

साधु और असाधु में मुख्य अंतर यह है कि साधु वह है जो सत्य के मार्ग पर चलता है, आत्मज्ञानी होता है, और दूसरों को सही मार्ग दिखाता है, जबकि असाधु वह है जो झूठ बोलता है, दूसरों को धोखा देता है, और बुरे कर्म करता है।

(झ) ऋग्वेद में कैसे मन्त्रों का संकलन है ?

ऋग्वेद में देवताओं की स्तुति में रचे गए मंत्रों का संकलन है। इन मंत्रों को "ऋचा" या "ऋक" कहा जाता है, और इन्हें विभिन्न देवताओं को समर्पित 1028 सूक्तों में व्यवस्थित किया गया है. ऋग्वेद, जिसे "ज्ञान का वेद" भी कहा जाता है, में 10 मंडल, 85 अनुवाद और 10552 मंत्र हैं.

(ज) 'असतो मा सद्गमय' का अर्थ लिखें ।

असतो मा सद्गमय - एक आह्वान है जो याद दिलाता है कि आप जो कर रहे हैं, वह काम हरेक के कल्याण के लिए है या नहीं।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। 4 x 5 = 20

(क) यक्ष के प्रश्नों का बिना उत्तर दिये किन-किन पाण्डवों ने जल पीया और उन्हें क्या हुआ ? वर्णन करें ।

महाभारत के वनपर्व में वर्णित एक प्रसंग के अनुसार, जब पाण्डव वनवास के दौरान बहुत प्यासे हो जाते हैं, तब युधिष्ठिर अपने भाइयों को जल की खोज में भेजते हैं।

सबसे पहले नकुल एक सरोवर पर पहुँचते हैं। सरोवर के रक्षक यक्ष नकुल से कहते हैं कि वह पहले उनके प्रश्नों का उत्तर दे, तभी जल पी सकता है। लेकिन नकुल यक्ष की बातों को अनसुना कर जल पीने का प्रयास करता है, जिससे वह मृत हो जाता है।

इसके बाद क्रमशः सहदेव, भीम और अर्जुन भी वहाँ पहुँचते हैं और यक्ष की चेतावनी की अवहेलना कर जल पीने का प्रयास करते हैं। परिणामस्वरूप, वे भी मृत हो जाते हैं। इन चारों भाइयों ने यक्ष के प्रश्नों का उत्तर नहीं दिया, इसलिए उन्हें मृत्युतुल्य स्थिति का सामना करना पड़ा।